

प्रदेश में स्थापित होगी देश की पहली 'रेयर अर्थ टू मैग्नेट' इंटीग्रेटेड इकाई

मुख्यमंत्री से मिले नोबेल पुरस्कार विजेता कान्स्टेंटिन नोवोसेलोव

राज्य ब्यूरो, जागरण • लखनऊ: प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश को देश में एडवांस्ड मैटीरियल रिसर्च और इंजीनियरिंग का प्रमुख हब बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्रदेश में हाईटेक उद्योग और उन्नत शोध की संभावनाओं को नई दिशा देने की पहल के तहत बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक कान्स्टेंटिन नोवोसेलोव से मुलाकात हुई। इस दौरान प्रदेश में एडवांस्ड मैटीरियल रिसर्च और हाईटेक मैनुफैक्चरिंग के अवसरों पर विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री आवास पर हुई इस बैठक में लोहम कंपनी के सीईओ रजत वर्मा और कंपनी के चीफ आफ स्टाफ आयुष साबत भी मौजूद थे। बैठक में प्रदेश को देश में एडवांस्ड मैटीरियल रिसर्च और इंजीनियरिंग का प्रमुख केंद्र बनाने की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। इसी क्रम में लोहम कंपनी द्वारा प्रदेश में भारत की पहली 'रेयर अर्थ टू मैग्नेट' इंटीग्रेटेड फैसिलिटी स्थापित करने की योजना पर भी विचार किया गया। यह परियोजना शुरू होने पर देश में उच्च तकनीक आधारित मैनुफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

52 वर्षीय प्रसिद्ध रूसी वैज्ञानिक नोवोसेलोव को ग्राफीन की खोज के लिए वर्ष 2010 में आंद्रे गेइम के साथ भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला था। ग्राफीन कार्बन का एक ऐसा पदार्थ है जो सिर्फ एक परमाणु



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बुधवार को मुलाकात करते नोबेल पुरस्कार विजेता कान्स्टेंटिन नोवोसेलोव • सूचना विभाग

• प्रदेश को एडवांस्ड मैटीरियल रिसर्च और इंजीनियरिंग का प्रमुख हब बनाने पर चर्चा

जितना पतला होता है। यह स्टील से भी मजबूत, बेहद हल्का और लचीला होता है। इसका उपयोग तेज और ज्यादा क्षमता वाली बैटरियों, हल्के और मजबूत एयरोस्पेस मैटीरियल, फ्लेक्सिबल मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सोलर पैनल में हो सकता है।

नोवोसेलोव इस समय लोहम कंपनी के साथ स्ट्रैटेजिक एडवाइजर के रूप में जुड़े हुए हैं। उनका उद्देश्य उन्नत मैटीरियल साइंस को औद्योगिक स्तर पर बैटरी तकनीक

और ऊर्जा क्षेत्र में लागू करना है। इस सहयोग के तहत दो प्रमुख क्षेत्रों में काम करने की योजना है। पहला, 2डी मैटीरियल जैसे ग्राफीन का उपयोग कर अगली पीढ़ी की लिथियम-आयन बैटरियों की क्षमता, सुरक्षा और जीवनकाल बढ़ाना है। दूसरा, बैटरियों और परमानेंट मैग्नेट के उन्नत रीसाइक्लिंग सिस्टम विकसित कर महत्वपूर्ण खनिजों की बेहतर रिकवरी सुनिश्चित करना है।

विशेषज्ञों के अनुसार यह पहल सर्कुलर इकोनामी को मजबूत करने के साथ-साथ देश के मेक इन इंडिया और ग्रीन एनर्जी विजन को भी नई गति दे सकती है।